

म्हारी चिंता हरो म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है ॥

तर्ज आ लौट के आज्ञा मेरे मीत ।

श्लोक सुमिरण दिप जलाई के,
धरु हृदय में ध्यान,
शरण पड़े की लाज रखो,
हे मेरे गणराज ।

म्हारी चिंता हरो म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है,
ओ म्हारा खजराना महाराज,
थाने भगत बुलावे है,
म्हारी चिंता हरो म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है ॥

खजराना नगरी गणेश चतुर्थी,
मेलो लगे अति भारी,
हर बुधवारे आवे भक्ता,
पूजा करे है तुम्हारी,
बाबा थाने मनावे दिन रात,
बाबा थाने मनावे दिन रात,
थाने भगत बुलावे है,
म्हारी चिंता हरो म्हारा नाथ,

थाने भगत बुलावे है ॥

भारत के कोने कोने में बाबा,
नाम अमर है तुम्हारा,
गांव गांव और नगर नगर से,
आवे भक्ता ये प्यारा,
जय जय खजराना महाराज,
थाने भगत बुलावे है,
म्हारी चिंता हरों म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है ॥

म्हारी चिंता हरों म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है,
ओ म्हारा खजराना महाराज,
थाने भगत बुलावे है,
म्हारी चिंता हरों म्हारा नाथ,
थाने भगत बुलावे है ॥

Source: <https://www.bharattemples.com/mhari-chinta-haro-mhara-nath/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>